Shri Dattaguru Stava

श्रीदत्तगुरुस्तवः

Document Information

Text title : Dattaguru Stava

File name : dattagurustavaH.itx

Category : deities_misc, dattatreya, ApaTIkara

Location : doc_deities_misc

Author : ma. sa. ApaTIkara

Transliterated by : Mandar Mali aryavrutta gmail.com

Proofread by : Mandar Mali aryavrutta gmail.com

Description/comments : stotrapanchadashI by Shri M. S. Apatikar, Satara

Source : Sharada year 11, Vol 21-22, September 1970

Acknowledge-Permission: Pt. Vasant A. Gadgil, Sharada Gaurava Granthamala, 425 Sadashv Peth, Pune 30

Latest update : September 14, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose. Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

September 15, 2019

sanskritdocuments.org

श्रीदत्तगुरुस्तवः

(दोधकम्)
भक्तजनार्ति-विकर्तित-कीर्तिं
वेदचतुष्टयपूजितमूर्तिम् ।
दण्ड-कमण्डलु-मण्डित-पिण्डमं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ १॥

पाटल-वस्त्र-विभूषित-देहं
भस्म-विभूषित-गौर-शरीरम् ।
भूतिकरं भव-भीति-कुठारं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ २॥

सज्जन-पोषण-रक्षण-दक्षं
दुर्जन-शासन-भञ्जन-मग्नम् ।
सत्वर-दुस्तर-दुःखहरं तं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ३॥

दुःखित-वन्दित-पाद-सरोजं
पद्म-सुशोभित-दक्षिण-हस्तम् ।
योग-निधि नव-नाथ-सनाथं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ४॥

भीति-युतो भव-सिन्धु-निमग्न-
स्त्वच्चरणं करवाणि शरण्यम् ।
अत्रिसुतं त्रिगुणादि-विहीनं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ५॥

स्नास्यविमुक्तक-तीर्थ-जलौघे
प्रार्थयसेऽन्नकणान् करवीरे ।
त्वन्महिमा न हि मानमवैति

त्राहिगुरो प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ६॥

दुःख-हुताशन-तप्तमधीरं
दत्त दयार्णव दीनजनं माम् ।
तारय पाहि निरन्तर-तप्तं
दत्तगुरो प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ७॥

नाभिज-विष्णु-सदाशिव-मूर्तिं
दीन-जनावन-तत्पर-वृत्तिम् ।
विश्व-विषाद-विनाशन-दक्षं
दत्तगुरुं प्रणमामि सदाऽहम् ॥ ८॥

अष्टकमत्रिसुतस्य सुगेयं
दोधक-वृत्तमिदं रमणीयम् ।
श्रीगुरुनाम सदा नमनीयं
भक्तजनैः सततं स्मरणीयम् ॥ ९॥

इति श्री आपटीकरविरचितः श्रीदत्तगुरुस्तवः सम्पूर्णः ।

Encoded and proofread by Mandar Mali aryavrutta gmail.com

Shri Dattaguru Stava

pdf was typeset on September 15, 2019

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*